

निन्द्रा बेच दू कोई ले तो

निन्द्रा बेच दू कोई ले तो, रामो राम रटे तो तेरो मायाजाल कटेगी

भाव राख सतसंग में जावो, चित में राखो चेतो ।
हाथ जोड़ चरणा में लिपटो, जे कोई संत मिले तो

पाई की मण पाँच बेच दू, जे कोई ग्राहक हो तो ।
पाँचा में से चार छोड़ दू, दाम रोकड़ी दे तो

बैठ सभा में मिथ्या बोले, निन्द्रा करै पराई ।
वो घर हमने तुम्हें बताया, जावो बिना बुलाई ॥

के तो जावो राजद्वारे, के रसिया रस भोगी ।
म्हारो पीछो छोड़ बावरी, म्हे हाँ रमता जोगी ॥

ऊँचा मंदिर देख जायो, जहाँ मणि चवँर दुलाबे ।
म्हारे संग क्या लेगी बावरी, पत्थर से दुख पावे ॥

कहे भरतरी सुण हे निन्द्रा, यहाँ न तेरा बासा ।
म्हें तो रहता गुरु भरोसे, राम मिलण की आशा ॥6 ॥

Manoj Sharma shree bala ji ***8290504628***

Source: <https://www.bharattemples.com/nindra-bech-du-koi-le-to/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>